## प्रोफेसर के एस राणा मेवाड़ विवि के कुलपति

# प्रो.राणा ने मेवाड़ विश्विद्यालय के कुलपति के रूप में संभाला पदभार

राजस्थान दर्शन

चित्तौड़गढ़(अमित कुमार चेचानी/छोटू)। प्रोफेसर के.एस. राणा जो मुख्य रूप से कूकस, जयपुर के निवासी है तथा चार शासकीय विश्वविद्यालयों में कुलपति रह चुके हैं। प्रो. राणा ने नालन्दा विश्वविद्यालय, पटना, आरा स्टेट विश्वविद्यालय/ यूनिवर्सिटी, बिहार, कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनिताल एवं अल्मोड़ा विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड तथा पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार के अप्रेजल अथोरिटी के चाईस चेयरमेन एवं चेयरमैन रहे है एवं आज भी एक्सपर्ट एडवाईजर के रूप में पर्यावरण मंत्रालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रो. राणा ने दिनांक 23 अगस्त 2021 को मेवाड़ विश्वविद्यालय में कुलपति का पदभार ग्रहण कर लिया।

प्रोफेसर राणा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के शिक्षाविद् हैं। उन्होंने पर्यावरण में पी.एच.डी. एवं डी.एससी. किया है यह डी.एससी. जर्मनी में प्रकाशित हो चूकी है। 45 पी.एच.डी. उनके निर्देशन में अवार्ड की गई है। 322 शोध पत्र विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में तथा 20 पुस्तकें देश एवं विदेश में प्रकाशित हो चूकी है। गत वर्ष मुम्बई में उन्हें मोस्ट डेडिकेटेड चाईस चांसलर अवार्ड तथा इसी वर्ष मोस्ट ईन्फ्लेशल चाईस चांसलर के अवार्ड से नवाजा गया। विश्व मानवाधिकार आयोग, न्यूयार्क में विगत मई माह में उन्हें डी.लिट की मानद उपाधि पर्यावरण संरक्षण पर दी तथा इस वर्ष एल.एल.डी. की मानद उपाधि ब्रिटेश गवर्नमेंट की टेरा स्टेट द्वारा दी गई है। इसके अतिरिक्त एक दर्जन विदेषी संस्थाओं/ संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया तथा दो दर्जन राष्ट्रीय संस्थाओं/ संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है।

### प्रोफेसर के. एस. राणा की ओर से संदेश

प्रोफेसर राणा ने कहा है कि विश्वविद्यालय को यू.जी.सी. तथा केन्द्रिय शिक्षा मंत्रालय के मानको के अनुरूप चलाया जायेगा सभी विभागो में रिक्तिया भरी जायेगी। क्योंकि फेकल्टी के अभाव में कोई भी संस्था आगे नहीं बढ़ सकती है इसलिये उच्च स्तरीय फेकल्टी का होना आवश्यक है गरीब एवं मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा हर संभव सहयोग किया जायेगा। शोध परियोजनाओं की मॉनिटरिंग की जायेगी और केन्द्र सरकार के सहयोग से चलाई जायेगी। राजस्थान के गरीब बच्चों की खेल अभिरूची को बढ़ावा देने के प्रयास किये जायेगें। ताकि महाराणा प्रताप की धरती से देश दुनिया में ये संदेश जा सके कि यहां के खिलाड़ी नाम व रोजगार दोनो कमा सकते है।

# प्रोफेसर के एस राणा मेवाड़ विवि के कुलपति

# प्रो. राणा ने मेवाड़ विश्विद्यालय के कुलपति के रूप में संभाला पदभार

चमकता राजस्थान, चित्तौड़गढ़( अमित कुमार चेचानी/छोटू ) । प्रोफेसर के.एस. राणा जो मुख्य रूप से कूकस, जयपुर के निवासी है तथा चार शासकीय विश्वविद्यालयों में कुलपति रह चुके हैं। प्रो. राणा ने नालन्दा विश्वविद्यालय, पटना, आरा स्टेट विश्वविद्यालय/यूनिवर्सिटी, बिहार, कुमायुँ विश्वविद्यालय, नैनिताल एवं अल्मोड़ा विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड तथा पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार के अप्रेजल ऑथोरिटी के वाईस चेयरमेन एवं चेयरमैन रहे हैं एवं आज भी एक्सपर्ट एडवाईजर के रूप में पर्यावरण मंत्रालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रो. राणा ने दिनांक 23 अगस्त 2021 को मेवाड़ विश्वविद्यालय में कुलपति का पदभार गृहण कर लिया। प्रोफेसर राणा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के शिक्षाविद् हैं। उन्होंने पर्यावरण में पी.एच.डी. एवं डी.एससी. किया है यह डी.एससी. जर्मनी में प्रकाशित हो चूकी है। 45 पी.एच.डी. उनके निर्देशन में अवार्ड की गई है। 322 शोध पत्र विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में तथा 20 पुस्तकें देश एवं विदेश में प्रकाशित हो चूकी है। गत वर्ष मुम्बई में उन्हें मोस्ट डेडिकेटेड वाईस चांसलर अवार्ड तथा इसी वर्ष मोस्ट ईन्फ्लेशल वाईस चांसलर के अवार्ड से नवाजा गया। विश्व मानवाधिकार आयोग, न्यूयार्क में विगत मई माह में उन्हें डी.लिट की मानद उपाधि पर्यावरण संरक्षण पर दी तथा इस वर्ष एल.एल.डी. की मानद उपाधि ब्रिटीश गवर्नमेंट की टोंगा स्टेट द्वारा दी गई है। इसके अतिरिक्त एक दर्जन विदेषी संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया तथा दो दर्जन राष्ट्रीय संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है।

## प्रोफेसर के. एस. राणा की ओर से संदेश

प्रोफेसर राणा ने कहा है कि विश्वविद्यालय को यू.जी.सी. तथा केंन्द्रिय शिक्षा मंत्रालय के मानको के अनुरूप चलाया जायेगा सभी विभागो में रिक्तिया भरी जायेगी। क्योंकि फेकल्टी के अभाव में कोई भी संस्था आगे नहीं बढ़ सकती है इसलिये उच्च स्तरीय फेकल्टी का होना आवश्यक है गरीब एवं मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा हर संभव सहयोग किया जायेगा। शोध परियोजनाओं की मॉनिटरिंग की जायेगी और केन्द्र सरकार के सहयोग से चलाई जायेगी। राजस्थान के गरीब बच्चों की खेल अभिरूची को बढ़ावा देने के प्रयास किये जायेगें। ताकि महाराणा प्रताप की धरती से देश दुनिया में ये संदेश जा सके कि यहां के खिलाड़ी नाम व रोजगार दोनो कमा सकते है।

जयपुर मिड-डे टाइम्स
www.jaipurmiddaytimes.com

# प्रोफेसर के एस राणा मेवाड़ विवि के कुलपति प्रो. राणा ने मेवाड़ विश्विद्यालय के कुलपति के रूप में संभाला पदभार

जयपुर मिड-डे टाइम्स

**चित्तौड़गढ़ (अमित कुमार चेचानी/छोटू)।** प्रोफेसर के.एस. राणा जो मुख्य रूप से कूकस, जयपुर के निवासी है तथा चार शासकीय विश्वविद्यालयों में कुलपति रह चुके हैं। प्रो. राणा ने नालन्दा विश्वविद्यालय, पटना, आरा स्टेट विश्वविद्यालय/ यूनिवर्सिटी, बिहार, कुमायुँ विश्वविद्यालय, नैनिताल एवं अल्मोड़ा विश्वविद्यालय, उत्तराखण्ड तथा पर्यावरण मंत्रालय, भारत सरकार के अप्रेजल ऑथोरिटी के वाईस चेयरमेन एवं चेयरमैन रहे हैं एवं आज भी एक्सपर्ट एडवाईजर के रूप में पर्यावरण मंत्रालय में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। प्रो. राणा ने दिनांक 23 अगस्त 2021 को मेवाड़ विश्वविद्यालय में कुलपति का पदभार गृहण कर लिया। प्रोफेसर राणा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के शिक्षाविद् हैं। उन्होंने पर्यावरण में पी.एच.डी. एवं डी.एससी. किया है यह डी.एससी. जर्मनी में प्रकाशित हो चूकी है। 45 पी.एच.डी. उनके निर्देशन में अवार्ड की गई है। 322 शोध पत्र विभिन्न पत्र पत्रिकाओं में तथा 20 पुस्तकें देश एवं विदेश में प्रकाशित हो चूकी है। गत वर्ष मुम्बई में उन्हें मोस्ट डेडिकेटेड वाईस चांसलर अवार्ड तथा इसी वर्ष मोस्ट ईम्प्लेशल वाईस चांसलर के अवार्ड से नवाजा गया। विश्व मानवाधिकार आयोग, न्यूयार्क में विगत मई माह में उन्हें डी.लिट की मानद उपाधि पर्यावरण संरक्षण पर दी तथा इस वर्ष एल.एल.डी. की मानद उपाधि ब्रिटीश गवर्नमेंट की टोंगा स्टेट द्वारा दी गई है। इसके अतिरिक्त एक दर्जन विदेषी संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया तथा दो दर्जन राष्ट्रीय संस्थाओं/संगठनों द्वारा सम्मानित किया गया है।

**प्रोफेसर के. एस. राणा की ओर से संदेश:** प्रोफेसर राणा ने कहा है कि विश्वविद्यालय को यू.जी.सी. तथा केन्द्रिय शिक्षा मंत्रालय के मानको के अनुरूप चलाया जायेगा सभी विभागो में रिक्तिया भरी जायेगी। क्योंकि फेकल्टी के अभाव में कोई भी संस्था आगे नहीं बढ़ सकती है इसलिये उच्च स्तरीय फेकल्टी का होना आवश्यक है गरीब एवं मेधावी छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा हर संभव सहयोग किया जायेगा। शोध परियोजनाओं की मॉनिटरिंग की जायेगी और केन्द्र सरकार के सहयोग से चलाई जायेगी। राजस्थान के गरीब बच्चों की खेल अभिरूची को बढ़ावा देने के प्रयास किये जायेगें। ताकि महाराणा प्रताप की धरती से देश दुनिया में ये संदेश जा सके कि यहां के खिलाड़ी नाम व रोजगार दोनो कमा सकते है।